Daily Gospel Reflections in Hindi

15 October 2019

लूकस 4 : 38 - 44
Healings at Simon's House

सभाग्रह में प्रवचन के बाद ईसा सीमोन के घर गया और वहॉ पर सीमोन को साँस को चंगाई प्रदान किया। गेलीलिया में प्रभु ने अपने प्रचार कार्य के लिये सीमोन के घर को चुन लिया था।

गलीलिया मे प्रभु के समूहिक कार्य के समय सीमोन की साँस शायद ईसा और उनके शिष्यों की सेवा में तत्परता दिखाई होगी। हम उसका नाम नही जानते है ,या उनका एक भी शब्द को हम बाईबिल में नही देखते है। वह मरथा के समान कोई शिकायत करते हुए नही देखते है।

पेत्रुस की साँस की चंगाई की यह घटना हमारे मन मे, संत मदर तेरेसा की जीवनचर्या को याद दिलाती है। संत मदर तेरेसा की जीवनी से यह मालुम होता है की, प्रार्थना शांति का फल हैं, विश्वास प्रार्थना का फल है, प्यार विश्वास का फल है। समाज सेवा प्यार का फल है, और शांति सेवा कार्य का फल है। ईसा मसीह और षिष्यगणो ने सीमोन की साँस के घर मे शांति का, अनुभव किया था। यह शांति का अनुभव प्रार्थना, सच्चा विश्वास, प्यार से भरे सेवा कार्य का परिणाम है।

आज सुसमाचार भाग से मालूम पड़ता है कि प्रभु ईसा मसीह न केवल गलीलिया मे, बल्कि अन्य जगहों मे स्वर्गराज्य का प्रचार किया था। उसके प्रचार कार्य मे उन्होने कई लोगो को अपदूतो से बचाया था। इसका विशेषता यह है कि, अपदूत बहुतो से निकलते समय, ऐसे चिल्लाते हुए निकलते थे कि "आप ईश्वर के पुत्र है"।

जी हाँ, ईसा मसीह को ईश्वर कें पुत्र के रूप समझनें कें लिए अपनें–आपको तैयार करें। जब तक ईसा को ईश्वर के पुत्र के रूप मे नही समझते है, तब तक हम लोग ईश्वरींय कार्य को, आगे बढा नही पायेंगें। इसी कार्य के लिये ईश्वर ने हमें बुलाया है। इस बुलाहट को गम्भीरता सें समझते हुए ईसा मसीह को "ईश्वर के पुत्र" के रूप में समझानें कें लिए दूसरों कों मदद करें।

Rev. Fr. Alex Pulickaparambil

©Rights Reserved. Commission for Social Communications, Diocese of Sagar 2019